# तुलसी क्या है ?

तुलसी मुख्य रूप से पाँच प्रकार की पाई जाती है - राम तुलसी , कृष्णा तुलसी , वन तुलसी, निम्बू तुलसी एवं शुक्ला तुलसी | इन पाँच प्रकार की तुलसियों के अर्क निकाल कर इनके संयुक्त मिश्रण से एफ एच पी तुलसी अमृत रस का निर्माण किया गया है | तुलसी संसार की एक बेहतरीन एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-ऐजिंग, एंटी-बैक्टीरिअल, एंटी-सैप्टिक, एंटी- वायरल, एंटी- फ्लू, एंटी - बॅायोटिक, एंटी- इंफ्लामेटरी, और एंटी-डिसीस गुणों से भरपूर हर्बल है |एफ एच पी तुलसी अमृत रस का उपयोग 200 से अधिक रोगों जैसे की फ्लू , स्वाईन फ्लू , डेंगू , ज्वर , जुकाम , खाँसी, प्लेग, मलेरिया ,जोड़ो का दर्द , पथरी, मोटापा, ब्लड प्रेशर, शुगर , एलर्जी, पेट की बीमारियाँ, हैपेटाइटस, जलन, मूत्र सम्बन्धी रोग, गठिया, दमा, मरोड़, बवासीर, अतिसार, आँखों की बीमारियाँ, दाद, खाज-खुजली , सिरदर्द, पायरिया, नकसीर , फेफड़ों की सूजन अल्सर, स्ट्रैस, वीर्य की कमी अत: एफ एच पी तुलसी अमृत रस सर्वरोग नाशक अर्थात सभी प्रकार के रोगों के उपचार में उपयोगी है |

# तुलसी के विशेष लाभ व् गुण :

## एफ एच पी तुलसी अमृत रस

- एफ एच पी तुलसी अमृत रस स्मरण शक्ति को बढ़ाने में सहायक है |
- एफ एच पी तुलसी अमृत रस शरीर के लाल रक्त सैल्ज ( हीमोग्लोबिन ) को बढ़ाने में उपयोगी है |
- भोजन के बाद एक बूँद एफ एच पी तुलसी अमृत रस सेवन करने से पेट सम्बन्धी बीमारियों से बचाव रहता है |
- एफ एच पी तुलसी अमृत रस की दिन में 4-5 बूँदे पीने से महिलाओं को गर्भावस्था में बार - बार होने वाली उल्टी की शिकायत के उपचार में सहायता मिलती है |

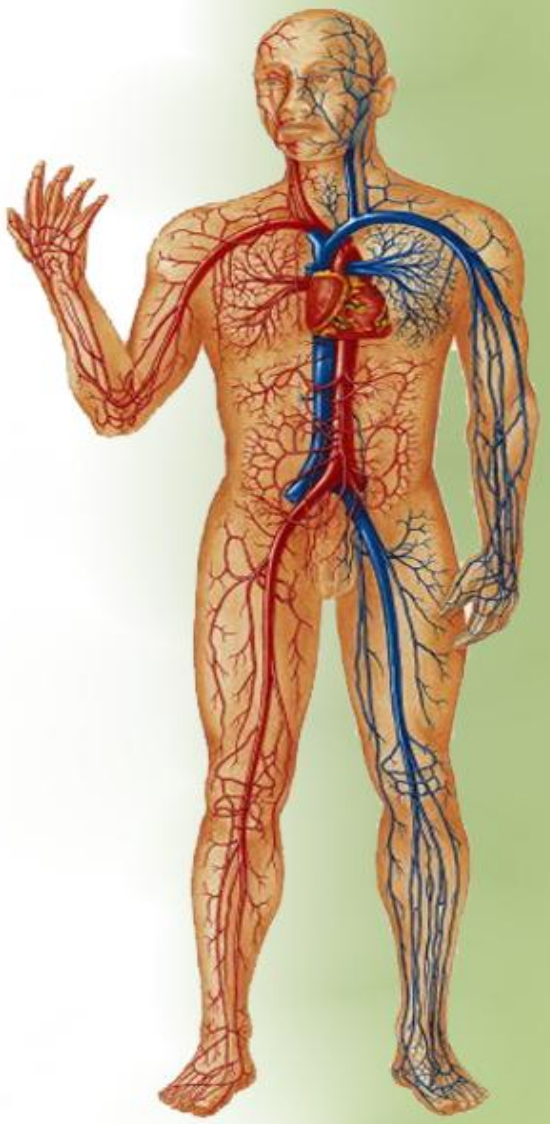

# एफ एच पी तुलसी अमृत रस

- सिर दर्द, बाल झड़ना, बाल सफेद होना व सिकरी - एफ एच पी तुलसी अमृत रस की 8 - 10 बूँदे 10 मि . ली एफ एच पी हर्बल हेयर ऑयल के साथ मिलाकर सिर व माथे पर मालिश करें |

- तुलसी अमृत की 8-10 बूँदे एफ एच पी बॉडी लोशन में मिलाकर शरीर पर मलकर रात्रि में सोयें , मच्छरों से बचाव रहता है |

- जुऐं और लीखें, एफ एच पी तुलसी अमृत रस और नींबू का रस समान मात्रा में मिलाकर सिर के बालों में अच्छी तरह से लगायें , 3 - 4 घँटे तक इसे लगा रहने दें और फिर सिर धोयें या रात्रि को इसे लगाकर सुबह सिर धोयें | जुऐं , लीखें और बालों में इसे लगाने से सिकरी से निजात दिलाने में सहायता प्रदान करती है |

# एफ एच पी तुलसी अमृत रस

- ★ कूलर के पानी में 8 - 10 बूँदे एफ एच पी तुलसी रस की डालने से सारा घर कीटाणुओं से मुक्त हो जाता है तथा मक्खी - मच्छरों से भी छुटकारा रहता है |
- ★ त्वचा की समस्या में नीबूं रस के साथ एफ एच पी तुलसी अमृत रस 4 -5 बूंदे डाल कर प्रयोग करें |
- ★ एफ एच पी तुलसी अमृत रस की 8-10 बूंदे एक बाल्टी पानी में डाल कर उस पानी से स्नान करने से त्वचा सम्बन्धी रोगों से बचाव रहता है |

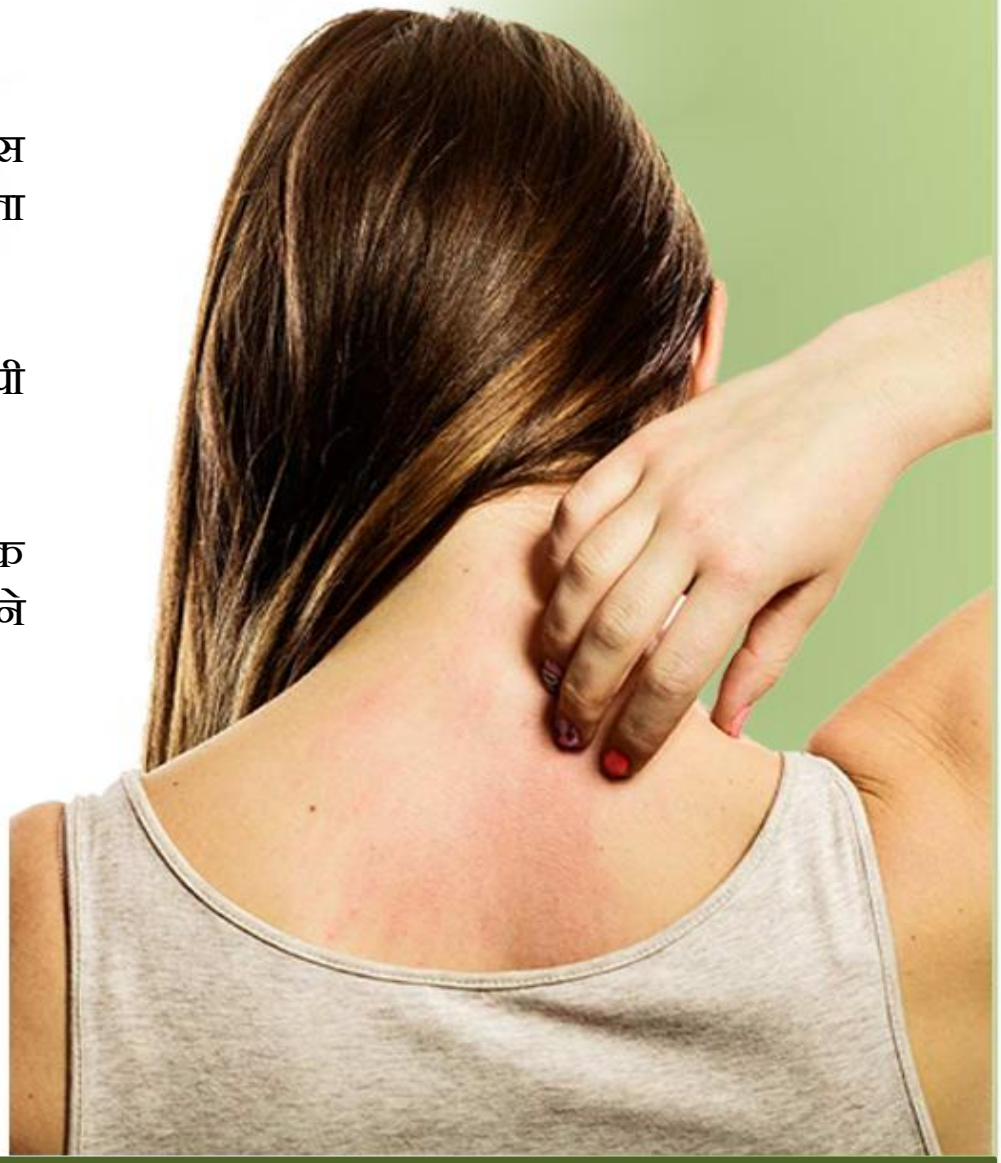

# एफ एच पी तुलसी अमृत रस

- ★ कान का दर्द व कान का बहना में एफ एच पी तुलसी अमृत रस की एक-एक बूँद कान में डालें |
- ★ गले व मुँह में छाले या दर्द और आवाज बैठ जाना में एफ एच पी तुलसी अमृत रस की 4-5 बूंदे पानी में डालकर गरारे करें |
- ★ नाक में पीनस रोग व फोड़े-फुंसीयों के लिए, एफ एच पी तुलसी अमृत रस की एक-एक बूँद नाक में डालें |
- ★ आग के जलने व किसी जेहरीले कीड़े के काटने पर एफ एच पी तुलसी अमृत रस को लगाने से विशेष राहत मिलती है |

# एफ एच पी तुलसी अमृत रस

- दमा व खाँसी में, एफ एच पी तुलसी अमृत रस की 2 बूंदे थोड़े अदरक के रस तथा शहद के साथ मिला कर सुबह- दोपहर - शाम सेवन करें |
- मुँह में किसी प्रकार की दुर्गन्ध हो तो एफ एच पी तुलसी अमृत रस की एक बूँद मुँह में डाल लें, इससे दुर्गन्ध से राहत मिल जाती है |
- एफ एच पी तुलसी अमृत रस के नियमित उपयोग से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने, रक्त के थक्के व हार्ट - अटैक और स्ट्रोक की रोकथाम करने में मदद मिलती है |
- एफ एच पी तुलसी अमृत रस की 2 बूँदे एफ एच पी फेस जैल में मिलाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा एवं चेहरे से सफेद दाग, छाईयां, कील -मुहाँसे व झुर्रियों को दूर करने में सहायता मिलती है

# सेवन विधि:

## एफ एच पी तुलसी अमृत रस

आज के प्रदूषित व संक्रमित  वातावरण में एफ एच पी तुलसी अमृत रस की 4-5 बूँदें पानी के एक गिलास या चाय में मिलाकर लेने से प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ एवं निरोग रहने में मदद मिलती है या डॉक्टर के परामर्श के अनुसार सेवन करें |

# एफ एच पी तुलसी अमृत रस

## एफ एच पी
## तुलसी अमृत रस
## पीएं और निरोगी जीवन जिए |

एफ एच पी तुलसी अमृत रस

# GOOD FHP

*Thank You*